भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

 **राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या : 2150

उत्‍तर देने की तारीख : 12 मई, 2016

**केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छात्रों में असंतोष**

**2150. श्री सी॰ पी॰ नारायणनः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दौरान देश के कितने केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में छात्रों में असंतोष की घटनाएं हुई हैं और असंतोष के मुख्य कारण क्या थे;

(ख) उनमें से कितने में छात्रों को दंडित किया गया, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उनमें से कितने मामलों में प्राधिकारियों ने नरमी बरती/अपने निर्णय को बदल दिया; और (घ) उनमें से कितने मामलों में छात्रों पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्रीमती स्‍मृति ज़ूबिन इरानी)**

(क) से (घ): शैक्षिक वर्ष 2015-16 के दौरान, हैदराबाद विश्वविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और पांडिचेरी विश्वविद्यालय सहित कुछ केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से छात्रों के आन्दोलन संबंधी रिपोर्टें प्राप्त हुई हैं। इन आन्दोलनों के कारण हर विश्वविद्यालय में भिन्न होते हैं और इनमें अनुशासनहीनता के कारण छात्रों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई, विश्वविद्यालय नियमों और विनियमों के उल्लंघन के विरूद्ध कार्रवाई, छात्र संघ चुनावों से संबंधित मुद्दों, ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के निर्णय के विरूद्ध आन्दोलन, छात्रावास शुल्क में बढ़ोतरी आदि, शामिल हैं।

ऐसे मामलों और प्रत्येक मामले में छात्रों के विरूद्ध की गई कार्रवाई के समेकित आंकडों का केन्द्रीकृत रूप से रखरखाव नहीं किया जाता है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय संसद के अधिनियमों के तहत स्थापित स्वायत्त निकाय हैं और ये विश्वविद्यालय ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के साथ मिलकर निर्णय लेने और कार्रवाई करने में सक्षम हैं।